मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 47, मुंबई, गुरुवार, 5 जून, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

मेफेन्टरमाइन इंजेक्शन रैकेट का भंडाफोड़

जिम से 90 बोतलें बरामद

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बारामती के भीगवान रोड पर एलीट जिम के पास से पुलिस ने एक क्रेटा कार से मेफेन्टरमाइन इंजेक्शन की 90 बोतलें जब्त की गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी तन्मय कल्याण बनकर को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरा साथी राहुल खुडे फरार बताया जा रहा है। पिछले कई महीनों से बारामती में मेम्फटेरामाइन इंजेक्शन बेचे जाने की चर्चा चल रही है। ये इंजेक्शन जिम में कसरत करने वाले बच्चों को दिए जा रहे हैं। ऐसी भी चर्चा थी कि एक चेन बन गई है और ये इंजेक्शन घर-घर जाकर बहुत ज्यादा दामों पर बेचे जा रहे हैं। हालांकि, अब इंजेक्शन रैकेट का खुलासा हो गया है, क्योंकि पुलिस ने एक ही वाहन से 90 इंजेक्शन जब्त किए हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

जश्न का जख्म

■ बेंगलुरु में आरसीबी की जीत की खुशी मातम में बदली

■ भगदड़ में 11 क्रिकेट प्रेमियों की मौत, 33 अन्य घायल

3 लाख से अधिक लोग थे जमा

अफरातफरी, अव्यवस्था से हुआ हादसा

इतनी भीड़ के लिए हम तैयार नहीं थे: सीएम सिद्धारमैया

मुंबई हलचल/संवाददाता

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का पहला आईपीएल खिताब जीतने का जश्न बुधवार को मातम में बदल गया जब जश्न में शामिल होने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हजारों की संख्या में प्रशंसकों के उमड़ने से मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत और 33 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस हादसे के बाद आरसीबी के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली ने कहा कि वो इस घटना से पूरी तरह से टूट गए हैं। इस घटना के बाद विराट कोहली की भी आलोचना होने लगी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पूरी तरह से टूट गया हूं... विराट कोहली

विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर शोक जताते हुए लिखा, मैं पूरी तरह से टूट चुका हूं। यह जानकर दिल दहल गया कि हमारे जश्न के बीच इतनी बड़ी त्रासदी हो गई। मेरी संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपनों को खोया है। विराट कोहली की यह भावुक प्रतिक्रिया इस बात का प्रतीक है कि जश्न के इस पल में भी वह अपने फैंस के दुःख को लेकर संवेदनशील हैं।

मृतकों को 10 लाखे देने का मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हादसे को लेकर कहा कि सरकार की जिम्मेदारी थी कि पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाती। इसके बाद स्थिति को क्रिकेट एसोसिएशन को संभालना चाहिए था। उन्होंने बताया कि स्टेडियम में केवल एक छोटा सा गेट खुला था, जहां बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। भीड़ बढ़ने पर लोगों ने जबरन दरवाजा तोड़ दिया, जिससे भगदड़ मच गई। मुख्यमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आईपीएल की भव्यता!

निर्विवाद है कि आईपीएल ने क्रिकेट को सिर्फ कारोबार बना दिया है। फिर भी सरकार की प्राथमिकताएं ऐसी हैं कि इससे होने वाले मुनाफों पर कोई टैक्स नहीं लगता। जिस देश में अनुसंधान प्रयोगशालाओं को जीएसटी देना होता है, वहां ये मेहरबानी क्यों?

रॉयल चैंलेजर्स बैंगलोर की पहली जीत के साथ इंडियन प्रीमियर लीग का 18वां संस्करण अपनी पारंपरिक भव्यता के साथ पूरा हुआ। इस पूरे दौर में एक ही टीम साथ बने रहने वाले एकमात्र खिलाड़ी विराट कोहली को भी इस ट्रॉफी को उठाने का अवसर मिला। उनके प्रशंसकों के लिए यह संतोष का पहलू है। मगर इस टूनार्मेंट से जुड़े असंतोष के सवाल हमेशा की तरह बने रहे। सट्टेबाजी तो आईपीएल के साथ आरंभ से ही जुड़ी रही है, मगर जिस तरह ऑनलाइन फैंटेसी गेम्स इस दौरान लाखों लोगों की लत बन गए हैं, वह एक सामाजिक समस्या को जन्म दे रहा है। यह कथित उद्योग साल भर पहले ही 9,100 करोड़ रुपये का हो चुका था। बताया जाता है कि 30 फीसदी सालाना की दर से बढ़ रहा है। सरकार इसमें मिलने वाले पैसे को अस्थायी आमदनी की श्रेणी में रख कर 30 प्रतिशत की दर से टैक्स वसूल रही है। इस तरह इस कारोबार को वैधता मिल गई है। मीडिया की रिपोर्टों के मुताबिक ऑनलाइन ऐप्स पर टीम बना कर उस पर दांव खेलने वाले लोगों की संख्या बढ़ती चली गई है। ऐसी भी खबरें हैं कि कई लोगों ने ये दांव खेलने के लिए अपनी जायदाद तक की बिक्री की। बेशक, इस क्रम में कुछ लोग करोड़पति होते हैं, लेकिन ऐसा लाखों लोगों की जेब पर पड़े डाके के परिणामस्वरूप होता है। उधर अवैध सट्टेबाजी में तो अरबों रुपये का वारा–न्यारा होता ही है। क्या समाज के लिए ये स्वस्थ प्रवृत्तियां हैं? अब दूसरे पहलू पर ध्यान दें: क्रिकेट के कारोबार में बदलने का रुझान तो पुराना है, मगर आईपीएल ने इसे सिर्फ कारोबार बना दिया है। इसके बावजूद सरकार की मेहरबानी ऐसी है कि इस पूरे बिजनेस पर कोई टैक्स नहीं लगता। 2023 तक की सूचना के मुताबिक आईपीएल से उस वर्ष 11,770 करोड़ रुपये की आमदनी हुई, जिसमें बीसीसीआई का विशुद्ध लाभ 5,100 करोड़ से ज्यादा था। फ्रेंचाइजी टीमों को औसतन हर साल 800 से 1000 करोड़ का मुनाफा होता है। मगर जिस देश में अनुसंधान प्रयोगशालाओं को जीएसटी देना होता है, वहां ये मुनाफे टैक्स फ्री हैं। क्यों?

"मां, पर्वतारोही और प्रेरणा : सुविधा कडलग ने माउंट एव्हरेस्ट फतह कर रचा इतिहास"

ANC – प्रबल इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प के बल पर पुणे के बाणेर क्षेत्र में रहने वाली 'एव्हरेस्टवीर' सुविधा कडलग ने महाराष्ट्र की संस्कृति को अटकेपार (हिमालय की ऊँचाइयों तक) पहुंचाते हुए माउंट एव्हरेस्ट फतह किया है। हाल ही में उनके इस अद्वितीय कार्य की सराहना नेपाल सरकार के एव्हरेस्ट अलायंस ने भी की है। आइए, इस पर एक विशेष रिपोर्ट देखते हैं...

VO – दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एव्हरेस्ट को फतह करने का सपना हर पर्वतारोही देखता है। इसी सपने को साकार करने के लिए गृहिणी सुविधा कडलग ने कठिन परिश्रम और लगन से 17 मई 2023 को 8849 मीटर ऊँचे माउंट एव्हरेस्ट पर चढ़ाई पूरी की। मूल रूप से संगमनेर की रहने वाली सुविधा कडलग व्यवसाय के सिलसिले में पुणे के बाणेर में निवास करती हैं और दो बच्चों की माँ हैं। बचपन से ही साहसिक खेलों की शौकीन रही सुविधा कडलग के जीवन में सिंहगढ़ की चढ़ाई प्रतियोगिता ने एक मोड़ ला दिया, जिससे उनका पर्वतारोहण का सफर माउंट एव्हरेस्ट तक पहुँच गया। इस शारीरिक और मानसिक परीक्षा में उनकी दृढ़ता की भी सच्ची परीक्षा हुई। इस अभ्यास के लिए उन्होंने सह्याद्रि की पहाड़ियों में 100 से अधिक ट्रेक्स किए और कई मैराथन स्पर्धाओं में भी भाग लिया। इसके अगले चरण में उन्होंने अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते हुए हिमालय की गोरीचेन ग्लेशियर, माउंट कांगयात्से (6250 मीटर) और माउंट नून (7135 मीटर) की सफल चढ़ाई की। इस प्रकार वे दो बच्चों की परवरिश करते हुए महाराष्ट्र की पहली महिला पर्वतारोही बनीं जिन्होंने यह मुकाम हासिल किया। माउंट नून की सफल चढ़ाई के बाद, माउंट एव्हरेस्ट जैसे बुलंद शिखर ने उन्हें बुलाना शुरू किया। यह अभियान आर्थिक दृष्टि से बेहद चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। परिवार और पति राजेंद्र के मज़बूत सहयोग और प्रोत्साहन ने उनके हौसले को और मज़बूती दी और उनका संकल्प और मजबूत हुआ।हिमालय के दो अभियानों ने उन्हें बर्फीले शिखरों की तकनीक सिखाई।

BYT – सुविधा कडलग, एव्हरेस्टवीर

VO – माउंट एव्हरेस्ट अभियान के लिए शारीरिक और मानसिक तैयारी हेतु उन्होंने जून 2022 में बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स किया। 'द अल्पायनिस्ट' संस्था के भगवान चावले और अमोल जोगदंड के मार्गदर्शन में इस वर्ष एव्हरेस्ट अभियान का आयोजन किया गया था। कठिन परिस्थितियों में भी सुविधा कडलग ने माउंट एव्हरेस्ट को पार करने का संकल्प नहीं छोड़ा।अब ज़रूरत है कि केंद्र सरकार इस तरह के साहसिक खेलों को प्रोत्साहन दे।

डॉ. अशोक टंडन को माननीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा द्वारा एचआईएफएए पुरस्कार से सम्मानित किया गया

मुंबई हलचल/रमाकांत मुंडे

मुंबई। एचआईएफएए (हेल्थकेयर आइकॉनिक फैशन एंड अवार्ड्स) नामक ऐतिहासिक और भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन मुंबई के सहारा स्टार होटल में किया गया, जहाँ पहली बार न केवल डॉक्टरों बल्कि नर्सों, वार्ड बॉय, एम्बुलेंस ड्राइवरों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को उनकी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अग्रणी पहल के पीछे डॉ. बिस्वजीत मंडल की दूरदर्शी सोच थी, जिन्होंने डॉक्टरों के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में अन्य कर्मचारियों के महत्व पर प्रकाश डाला। इन अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं ने उडश्क्रू19 महामारी के दौरान असाधारण साहस और समर्पण दिखाया है, लेकिन उन्हें वह सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं।

इस भव्य कार्यक्रम में, विभिन्न स्तरों के स्वास्थ्य कर्मियों को न केवल सम्मानित किया गया, बल्कि उन्हें रैंप पर चलने का अवसर भी दिया गया - एक ऐसा क्षण जिसने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया और उनकी सामाजिक पहचान को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा थे, तथा सेलिब्रिटी अतिथियों में आशिकी फेम अभिनेता राहुल रॉय और जाने-माने फिटनेस गुरु मिकी मेहता शामिल थे। नानावटी मैक्स अस्पताल के ट्रस्टी सचिन नानावटी भी मौजूद थे। डॉ. राहुल बाजपेयी, डॉ. रमाकांत देशपांडे, डॉ. संतोष पांडे, डॉ. शंकर सावंत, डॉ. कुमुद पटेल, डॉ. प्रवीण खले, डॉ. अली ईरानी और डॉ. वैदेही तमन। मुंबई के बाहर से आए डॉक्टरों में डॉ. सत्यजीत बोस (दुर्गापुर) और डॉ. प्रकाश शेलवन (चेन्नई) की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय थी। डॉ. विश्वजीत मंडल ने कहा, डॉक्टर मरीजों के संपर्क में बहुत कम समय बिताते हैं, लेकिन नर्स, वार्ड बॉय और अन्य कर्मचारी अपना अधिकांश समय मरीजों के साथ बिताते हैं। इसलिए, उनका सम्मान करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम में कई सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया, जिनमें चैरिटेबल ट्रस्ट की नीतू जोशी, फ्लोरियन फाउंडेशन की अर्चना जैन, राजू साकट, इकबाल ममदानी, सी गार्जियन के सुनील कनौजिया, प्रकाश गिडवानी शामिल थे। एचआईएफएए सिर्फ एक पुरस्कार समारोह नहीं है, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है, जो हमें लगातार याद दिलाता है कि असली नायक कौन हैं - डॉक्टर, नर्स, वार्ड बॉय और एम्बुलेंस चालक जो निस्वार्थ भाव से मरीजों की सेवा करते हैं। डॉ. अशोक टंडन मेरे लिए नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में एक शक्तिशाली व्यक्ति - डॉ ए के टंडन को पेश करना सम्मान की बात है, जो पिछले 35 वर्षों से अंधेरी पश्चिम में भरोसे का प्रतीक रहे हैं। लेजर मोतियाबिंद और अपवर्तक सर्जरी में अपनी उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध, उन्होंने अपनी नैदानिक विशेषज्ञता और अत्याधुनिक उपचारों के माध्यम से हजारों लोगों - आम नागरिकों से लेकर मशहूर हस्तियों और राजनीतिक नेताओं तक - के जीवन को बदल दिया है। उनकी दृष्टि उनके दिल की तरह ही तेज है - उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को नाममात्र या मुफ्त दरों पर नेत्र देखभाल सेवाएं प्रदान करके निस्वार्थ रूप से उनकी सेवा की है। हाल ही में अंधेरी पश्चिम में उन्होंने जो विश्व स्तरीय नेत्र अस्पताल स्थापित किया है, वह आधुनिक नेत्र विज्ञान में उनके दूरदर्शी नेतृत्व का एक मजबूत प्रमाण है। आइए हम सभी इस चिकित्सक, मानवतावादी और परोपकारी व्यक्ति - डॉ. ए. के. टंडन का स्वागत करें!

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक–**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई–68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी–2–301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

बोल्ट अर्थ ने किया ब्लेज डीसी का अनावरण

दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों के लिए भारत का पहला युनिवर्सल डीसी फास्ट चार्जर

मुंबई। भारत के ईवी चार्जिंग परिवेश में उल्लेखनीय कदम बढ़ाते हुए भारत के सबसे बड़े ईवी चार्जिंग नेटवर्क बोल्ट.अर्थ ने आज इलेक्ट्रिक दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों के लिए देश के पहले युनिवर्सल डीसी फास्ट चार्जर का लॉन्च किया है। चार्जर की ब्लेज डीसी सीरीज को भारत के ईवी सिस्टम की सबसे बड़ी चुनौती को दूर करने के लिए डिजाइन किया गया है। दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों के लिए हाई-इंटरऑपरेबल चार्जिंग समाधानों की कमी एक बड़ी समस्या है, जबकि देश के 80 फीसदी ईवी इसी कैटेगरी में आते हैं। पूरी तरह से भारत में डिजाइन, विकसित एवं निर्मित किया गया ब्लेज डीसी चार्जर एक युनिवर्सल, कॉम्पैक्ट एवं ग्रिड-अनुकूल चार्जर है। यह टाईप 6 एवं एलईसीसीएस टाईप 7 कनेक्टर्स को सपोर्ट करता है तथा टॉप ईवी ब्राण्ड्स जैसे एथर, ओला, अल्ट्रावॉयलेट, हीरो मोटोकोर्प, मैटर मोटर्स एवं सिंपल एनर्जी के साथ कम्पेटिबल है।

ब्लेज डीसी क्यों है गेम-चेंजर?

मार्केट में ब्राण्ड के अनुसार विशिष्ट एवं स्लो चार्जिंग सेटअप हैं, जो चुनिंदा लोकेशनों पर ही उपलब्ध होते हैं। लेकिन ब्लेज डीसी भारत की ग्रिड परिस्थितियों के अनुकूल पावरफुल प्लग-एण्ड-प्ले समाधान पेश करता है। बिजली जैसी तेज स्पीड- 12 किलोवॉट वेरिएन्ट में 15 मिनट में 120 किलोमीटर तक- यह प्रभावी चार्जिंग की जरूरत को तुरंत पूरा करता है तथा ईवी यूजर्स को सुलभ, भरोसेमंद एवं सुविधाजनक साधन उपलब्ध कराता है। स्पीड के दायरे से बढ़कर ब्लेज डीसी को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसकी सर्विस और मेंटेनेन्स बेहद आसान है। इसका मोड्यूलर बिल्ड जल्द रिपेयर किया जा सकता है। वहीं रिमोट डायग्नॉस्टिक्स एवं रियल-टाईम एरर डिटेक्शन सुनिश्चित करते हैं कि कम से कम डाउनटाईम में समस्या जल्द से जल्द हल हो जाए।

ब्लेज डीसी का इस्तेमाल कौन कर सकता है?

कोई भी व्यक्ति जो भारत के फास्ट-चार्जिंग में सक्षम दोपहिया या तिपहिया वाहन चलाता है या इन्हें खरीदने की योजना बना रहा है, वह ब्लेज डीसी का इस्तेमाल कर सकता है। बोल्ट.अर्थ का उद्देश्य एक साल के भीतर 90 फीसदी फास्ट-चार्जिंग इनेबल्ड दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों को सपोर्ट करना है तथा ईवी अडॉप्शन को व्यवसायों एवं आम लोगों के लिए सरल बनाना है। लॉन्च के अवसर पर राघव भारद्वाज, सीईओ, बोल्ट.अर्थ ने कहा, बोल्ट.अर्थ में हमारा मानना है कि भारत में ईवी अडॉप्शन सही मायनों में तब तक नहीं हो सकता, जब तक उनकी फास्ट चार्जिंग की समस्या हल न हो जाए- फिर चाहे ऑटो रिक्शा चालक हों, फूड डिलीवरी कर्मचारी या छोटे कारोबार मालिक जो दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों पर निर्भर करते हैं। ब्लेज डीसी भारतीय इंजीनियरों द्वारा उनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया समाधान है। यह सिर्फ एक प्रोडक्ट का लॉन्च ही नहीं बल्कि अधिक समावेशी, सुलभ एवं तेज ईवी सिस्टम की शुरूआत है। कार्यक्रम के दौरान ब्लेज डीसी का लाईव डेमो भी दिया गया, साथ ही बोल्ट.अर्थ चार्जिंग ऐप के साथ इसके इंटीग्रेशन एवं इसके इस्तेमाल को भी दर्शाया गया, जो पहले से 1700 से अधिक शहरों में 37000 से अधिक चार्जिंग पॉइन्ट्स को सपोर्ट करता है तथा 224000 से अधिक एक्टिव ईवी यूजर्स को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। कर्नाट में ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए नोडल एजेंसी बैंगलोर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड (बेसकोम) के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ शिव शंकर एन इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। लॉन्च के अवसर पर डॉ शिव शंकर एन ने कहा, एक सरकारी संस्था होने के नाते बेसकोम ने 200 से अधिक ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं और पूरे राज्य में 5200 से अधिक चार्जर्स के साथ ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर में कर्नाटक की लीडरशिप में योगदान दिया है। हमारे ज्यादातर चार्जर अभी स्लो हैं, हम उन्हें फास्ट चार्जर्स में अपग्रेड करना चाहते हैं और प्राइवेट प्लेयर्स जैसे बोल्ट. अर्थ के साथ जुड़कर इस दिशा में प्रयास करना चाहते हैं, जो पहले से 4000 से अधिक स्टेशनों का संचालन कर रहे हैं। हमने भावी ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए आरक्षित सरकारी जमीन की पहचान की है और निजी भागीदारी को आमंत्रित कर रहे हैं। बढ़ती मांग और नीतिगत सहयोग के साथ यह ईवी विस्तार के लिए बेहद जरूरी है। हम बोल्ट.अर्थ के प्रयासों की सराहना करते हैं और इस मिशन के लिए आपके साथ साझेदारी की उम्मीद रखते हैं।

बोसॉन सेल ने भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया एक और कदम

मुंबई। देश की पहली स्वदेशी लिथियम सेल निर्माण कंपनी बोसॉन सेल ने आधिकारिक तौर पर अपने दो नए उत्पाद-18350 B-30A और 21700 B-50A वेरिएंट्स – लॉन्च कर दिए हैं। ये उच्च प्रदर्शन वाले, किफायती ऊर्जा सेल अब पूरे भारत में उपलब्ध होंगे। यह प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान को सशक्त करते हुए भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता और नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बोसॉन सेल अब भारत की तेजी से विकसित हो रही लिथियम टेक्नोलॉजी की रीढ़ बन चुका है, जो वैश्विक मंच पर देश की नई पहचान गढ़ेगा। भारत का लिथियम-आयन बैटरी बाज़ार 2030 तक 9.56 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। बोसॉन सेल का उद्देश्य साफ है—स्वच्छ मोबिलिटी, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा

और तेजी से बढ़ते ड्रोन मार्केट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना। सरकार की FAME II, PLI स्कीम और Drone Shakti जैसे पहल से प्रेरित यह मांग अपने उच्चतम स्तर पर है, जिससे विश्वसनीय, सस्ती और स्वदेशी बैटरी तकनीक की मांग तीव्र हुई है। बोसॉन सेल के सीईओ श्री गुरु पुनगवन ने कहा, "बोसॉन सिर्फ एक और मैन्युफैक्चरर नहीं, बल्कि यह भारत की तकनीकी क्षमता का प्रतीक है। हम सिर्फ आयात का विकल्प नहीं बना रहे, बल्कि स्मार्ट, स्वच्छ और स्केलेबल एनर्जी सॉल्यूशंस तैयार कर रहे हैं जो हर भारतीय घर, व्यवसाय और नवाचार को ऊर्जा देंगे।" उन्होंने आगे बताया कि बोसॉन द्वारा निर्मित सेल तीन श्रेणियों – इकोनॉमी, एडवांस्ड और एक्सट्रीम – में आते हैं, जो बैटरी निर्माताओं और व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं दोनों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। हर एक लिथियम सेल को कड़े परीक्षणों से गुजारा जाता है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि ग्राहक को मिलें सुरक्षित और उच्च प्रदर्शन वाले उत्पाद। ये सेल इलेक्ट्रिक वाहन, ड्रोन, सोलर एनर्जी सिस्टम, पावर टूल्स आदि में उपयोग के लिए उपयुक्त हैं। बोसॉन सेल की यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब भारत का ड्रोन क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहा है, जो कृषि, रक्षा, लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत का ड्रोन मार्केट 2030 तक 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच सकता है, जिससे हल्के, उच्च ऊर्जा घनत्व वाले और टिकाऊ लिथियम सेल की मांग कई गुना बढ़ेगी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

जश्न का जख्म

चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर इतना बड़ा हादसा हो गया और ये खिलाड़ी जश्न मनाने में डुबे रहे। इसको लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेट अतुल वासन का मानना है कि विराट कोहली को अगर इस दुखद घटना की जानकारी होती, तो वे तुरंत यह समारोह छोड़ देते। वासन ने कहा, मुझे किसी भी हाल में विश्वास नहीं होता कि विराट कोहली को पता था कि बाहर लोग मर रहे हैं और अंदर सम्मान समारोह चल रहा है। अगर उन्हें पता होता, तो वे तुरंत बाहर आ जाते। हालांकि यह कार्यक्रम ज्यादा देर नहीं चला। जितना जल्दी हो सका इस सम्मान समारोह को खत्म कर दिया गया। वासन ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि नेता ऐसा कर सकते हैं क्योंकि उनमें संवेदनशीलता कम होती है और उन्हें फर्क नहीं पड़ता। वहीं, आरसीबी की टीम के मालिक और कंपनियों को सिर्फ पैसों और मुनाफे की चिंता होती है, हो सकता है उन्हें इस हादसे की खबर भी रही हो। ये सब शायद सही जानकारी समय पर न मिलने की वजह से हुआ।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने टीम को किया सम्मानित

इस हादसे के दौरान आरसीबी टीम को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विधान सौधा में सम्मानित किया और बाद में टीम स्टेडियम पहुंची जहां और समारोह आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हादसे को लेकर कहा कि सरकार की जिम्मेदारी थी कि पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाती। इसके बाद स्थिति को क्रिकेट एसोसिएशन को संभालना चाहिए था।

आईपीएल चेयरमैन का बयान?

वहीं आईपीएल के चेयरमैन ने कहा कि हमने आयोजन से पहले मैनेजमेंट से बात की थी और उन्होंने हमें आश्वासन दिया था कि सेरेमनी जल्द से जल्द समाप्त कर दी जाएगी। लेकिन जो कुछ भी हुआ, वह बेहद दुखद है। आरसीबी के अधिकारियों ने मुझसे साफ तौर पर कहा था कि वे कार्यक्रम को जल्दी खत्म कर देंगे। उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि स्टेडियम के बाहर क्या स्थिति है। उन्होंने आगे कहा कि मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। हमें तो यह भी नहीं पता था कि इस इवेंट का आयोजन किसने किया था। सवाल यह भी है कि इतनी बड़ी संख्या में लोग स्टेडियम के भीतर कैसे पहुंचे। लेकिन यह तय है कि किसी की जान की कीमत पर कोई भी जश्न नहीं मनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि किसी इवेंट के आयोजन की जिम्मेदारी उसकी फ्रेंचाइजी की होती है। लेकिन कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार के सभी प्रमुख अधिकारी मौजूद थे।

चश्मदीद ने बताई कहानी

भगदड़ का प्रत्यक्षदर्शी होने का दावा करने वाले महेश ने कहा कि विराट कोहली और आरसीबी टीम को देखने के लिए कई लोग आए थे। कई लड़कियों ने गेट को धक्का देकर एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में घुसने की कोशिश की। मैंने तीन लड़कियों को गिरते देखा, किसी ने उन्हें नहीं बचाया। पुलिस भी बेबस थी क्योंकि काफी लोग आए थे। अन्य प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सम्मान समारोह स्थल पर प्रशंसकों की भीड़ उमड़ने से भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। तस्वीरों में पुलिस घायलों और बेहोश लोगों को एंबुलेंस में पास के अस्पतालों में ले जाती दिख रही है। तस्वीरों में कुछ बेहोश लोगों को पास के लोगों द्वारा कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) देते हुए भी दिखाया गया है।

मेफेन्टरमाइन इंजेक्शन रैकेट का भंडाफोड़

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 3 जून को जब पुलिस बारामती सिटी पुलिस स्टेशन की सीमा में गश्त कर रही थी, तभी बारामती भिगवण रोड पर एलीट जिम के पास रजिस्ट्रेशन नंबर (एमएच 14 जेए 0901) वाली क्रेटा गाड़ी में दो लोग बैठे दिखाई दिए। पुलिस ने जब उनसे पूछताछ की तो उनमें से एक व्यक्ति कार से उतरकर भाग गया, जबकि दूसरे को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जब कार की तलाशी ली गई तो डिक्की से मेथम्फेटामाइन सल्फेट के 90 इंजेक्शन बरामद हुए। इस मामले में क्राइम डिटेक्शन टीम के जितेंद्र महादेव शिंदे ने बारामती सिटी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। आरोपी तन्मय कल्याण बनकर को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि राहुल उबाले फरार है। इस संबंध में खाद्य एवं औषधि विभाग के ड्रग इंस्पेक्टर सचिन बुगड़ ने बारामती सिटी पुलिस स्टेशन जाकर इंजेक्शन का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इस इंजेक्शन का उपयोग बॉडी बिल्डिंग और नशे के तौर पर किया जा रहा है। इस कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल, अपर पुलिस अधीक्षक गणेश बिरादार, उपविभागीय पुलिस अधिकारी सुदर्शन राठौड़, पुलिस निरीक्षक विलास नाले, अपराध जांच शाखा के मार्गदर्शन में फौजदार सतीश राऊत, रत्नदीप भंडारे, अमीर शेख, अभिजीत कांबले, रामचंद्र शिंदे, सुलतान डांगे, जितेंद्र शिंदे, अक्षय सीताफ, सागर जामदार, दत्तात्रय मदने व अमोल देवकाते भी शामिल थे।

भारत के हमले में मार गिराए गए पाक वायुसेना के 6 लड़ाकू विमान संग और भी बहुत कुछ...

यह जानकारी संघर्ष के बाद नुकसान को लेकर किए गए आकलन के जरिए सूत्रों ने दी

रडार ने पकड़ा, थर्मल सिग्नेचर से हुई पुष्टि

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

22 अप्रैल को पहलगाम हमले के जवाब में भारत की तरफ से की गई रक्षात्मक सैन्य कार्रवाई के दौरान पाकिस्तान को काफी नुकसान उठाना पड़ा था। जिसमें उसके 6 लड़ाकू विमान, 2 उच्च मूल्य वाले निगरानी विमान, 10 से ज्यादा ड्रोन और एक सी-130 हरक्यूलिस परिवहन विमान शामिल है। जिसे भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने अपनी अचूक सैन्य कार्रवाई में मार गिराया। यह जानकारी संघर्ष के बाद किए गए नुकसान के आकलन को लेकर सूत्रों ने दी। जिसमें उन्होंने कहा कि संघर्ष के बाद किए गए अपने विश्लेषण से हमें ये पता चलता है कि पाकिस्तान की हवाई और जमीनी सैन्य संपत्तियों को काफी नुकसान पहुंचा है। हवाई अभियान में पाकिस्तानी वायुसेना के 6 लड़ाकू विमान नेस्तनाबूद कर दिए गए। इन विमानों का पता लगाकर भारतीय हवाई रक्षा यूनिट ने इन्हें हवा से हवा में ही नष्ट कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 7 मई की देर रात भारत ने पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था। जिसके जवाब में पाकिस्तान ने देश की पश्चिमी सीमा पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला बोला था। लेकिन बेहद चौकन्नी भारत की सशस्त्र सेनाओं ने दुश्मन के हर वार को नाकाम कर दिया।

सूत्रों ने कहा कि पाक के लड़ाकू विमानों को मार गिराने की पुष्टि हमारे रडार द्वारा उन्हें पकड़ने और विमान के थर्मल सिग्नेचर के जरिए हुई है। जिसे भारत के वाउंड आधारित मिसाइल सिस्टम और अर्ली वार्निंग तंत्र ने पकड़ा था। एक बार पकड़े जाने की पुष्टि के बाद पाक के विमानों को तुरंत ढेर कर दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत और उसके बाद यानी 7 से 10 मई तक भारत ने पाकिस्तान के कई प्रमुख बड़े मूल्य वाले सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया। इसमें इलेक्ट्रॉनिक काउंटर मेजर प्लेटफार्म या अवाक्स विमान शामिल था। जिन्हें देश के लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम एस-400 हवाई मिसाइल प्रणाली (सुदर्शन चक्र) के जरिए करीब 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया। पाक के एक अन्य अवाक्स विमान जो कि स्वीडिश मूल का था और उसके मुलारी एयरबेस पर तैनात था। उसे भारत ने हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल से निशाना लगाकर मटियामेट किया। सैटेलाइट से मिली तस्वीरों से ये पता चलता है कि एयरबेस का हैंगर भारत के हमले में पूरी तरह से तबाह हो गया था।

ड्रोन स्ट्राइक से मार गिराया सी-130 विमान

सूत्रों ने कहा, एक अन्य अभियान में पाकिस्तान की वायुसेना के सी-130 हरक्युलिस विमान को लक्षित ड्रोन हमले से नष्ट किया गया। इस विमान का दुश्मन ने लॉजिस्टिक्स सहायता के लिए उपयोग किया था। भारत और पाक तनाव के बीच यह विमान मुल्तान के पास एक एयरबेस से ऑपरेट कर रहा था। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तानी मानवरहित सिस्टम पर भी सटीक हमले किए। अभियान में राफेल और सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमानों का प्रयोग किया गया। चीनी मूल के एक हैंगर जिसमें पाकिस्तान ने अपने सदाबहार मित्र (चीन) से खरीदे हुए विंग लूंग सीरीज वाले मध्यम-अधिक ऊंचाई पर उड़ने में सक्षम कई सारे ड्रोन रखे थे। एक सिंगल हमले में ऐसे 10 मानवरहित विमानों, ड्रोन को मटियामेट किया गया। संघर्ष के दौरान भारतीय हवाई क्षेत्र में घुसपैठ कर पहुंच रहे ड्रोन को भी भारतीय हवाई रक्षा यूनिटों ने मार गिराया गया। ये कार्रवाई जम्मू-कश्मीर और राजस्थान सेक्टर में मुख्य रूप से की गई थी।

आईएमएफ के बाद अब... एडीबी से पाकिस्तान को मिला 800 मिलियन डॉलर का वित्तीय पैकेज

एडीबी के समक्ष कड़े विरोध संग बोला भारत, अभी पाक को नहीं दी जानी चाहिए यह सहायता, आतंकी साजिशों पर करेगा खर्च

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत के विरोध के बावजूद एशियाई विकास बैंक यानी एडीबी ने पाकिस्तान को कुल करीब 800 मिलियन डॉलर का बेलआउट पैकेज दे दिया है। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संगठन ने पाकिस्तान की इस तरह की बड़ी धनराशि वाले लोन के साथ मदद की है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी पाक को करीब साढ़े आठ हजार करोड़ रुपए का बेलआउट पैकेज दिया था। एडीबी द्वारा दी गई उक्त धनराशि को लेकर पाकिस्तान के वित्त मंत्री के सलाहकार खुर्रम शहजाद ने कहा कि यह पैकेज दो भागों में विभाजित है।

जिसमें से एक भाग 300 मिलियन डॉलर का पॉलिसी आधारित लोन है और दूसरा 500 मिलियन डॉलर पाकिस्तान में कार्य योजना को पूरा करने के लिए दिया गया है। यहां बता दें कि पूर्व में भी भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आईएमएफ द्वारा पाकिस्तान को दिए जाने वाले वित्तीय पैकेज को लेकर वैश्विक संगठन को साफ शब्दों में एक जरूरी प्रश्न उठाते हुए कहा था कि भारत भी आईएमएफ को फंडिंग करता है। ऐसे में उसके द्वारा दी जा रही धनराशि का आतंकी गतिविधियों में इस्तेमाल नहीं होना चाहिए?

एक भाग 300 मिलियन डॉलर का पॉलिसी आधारित लोन है और दूसरा 500 मिलियन डॉलर पाकिस्तान में कार्य योजना के लिए

भारत के विरोध से जुड़ा तर्क

सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत ने इस पूरे मामले में एडीबी के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए कहा कि इस वक्त पाकिस्तान को ये बेलआउट पैकेज नहीं दिया जाना चाहिए। क्योंकि इसका इस्तेमाल वह आतंकवादियों को पोषित करने, इस तरह की साजिशों को बढ़ावा देने और अपने देश का सैन्य खर्च बढ़ाने के लिए कर सकता है। इसके अलावा अगर पाक को एडीबी से मदद दी जाती है। तो कड़ी शर्तों के साथ उसके नीतिगत क्रियान्वयन की निगरानी भी की जानी चाहिए। भारत ने बैंक को उसके संसाधनों के दुरुपयोग को लेकर आगाह किया और कहा कि पाक का रक्षा खर्च बढ़ रहा है। लेकिन उसके घटते कर जीडीपी अनुपात और जरूरी आर्थिक सुधारों पर स्पष्ट प्रगति की कमी पर ध्यान दिया जाना चाहिए। एडीबी और आईएमएफ से कई बार लोन लेने के बावजूद पाकिस्तान अपने देश में आर्थिक सुधारों को लागू करने में नाकाम साबित हुआ है। मौजूदा लोन को लेकर हम उम्मीद करते हैं एडीबी पाकिस्तानी क्रियान्वयन की निगरानी करेगा। सूत्रों ने आंकड़ों से समझाया कि 2018 में पाकिस्तान का कर संग्रह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 13 फीसदी से घटकर 2023 में 9.2 फीसदी रह गया है। जो कि एशिया और प्रशांत क्षेत्र के औसत (19 फीसदी) से काफी कम बना हुआ है। ये पाकिस्तान के गंभीर वित्तीय कुप्रबंधन को साफ तौर पर उजागर करता है।

बैंक के लिए पैदा होगा ऋण जोखिम

भारत ने एडीबी को ये भी बताया कि पाकिस्तान की खस्ता आर्थिक हालत एडीबी के लिए ऋण जोखिम की स्थिति उत्पन्न कर सकती है। इसमें खासतौर पर पाक के उच्च ऋण से जीडीपी अनुपात व खराब क्रेडिट रेटिंग की वजह से पाक की बाहरी ऋण पर लगातार निर्भरता भावी जोखिमों की दीर्घकालिक स्थिरता के बारे में चिंताएं पैदा करती है। बैंक का इस तरह से पाक को वित्तीय मदद देना न केवल एडीबी की नीतियों से मेल खाता है। बल्कि इससे क्षेत्रीय स्थिरता पर भी संकट उत्पन्न होता है।

भारतीय मुसलमानों की छवि खराब करने पर पत्रकार फथी ने भरी प्रेस वार्ता में दिखाया आईना

अमेरिका में पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की घोर बेइज्जती...

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर की कड़ी कार्रवाई के बाद आतंकवाद के मामले पर पूरी दुनिया के सामने बुरी तरह से एक्सपोज हो चुके पाकिस्तान के नेता भारत के खिलाफ अनर्गल प्रलाप करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी से जुड़ा हुआ है। जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित की गई एक

प्रेस कॉन्फ्रेंस (पीसी) में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत में मुसलमानों के हालात खराब होने का एक झूठा और बेबुनियाद आरोप लगाया। लेकिन इससे पहले की वो कुछ और कहते, वहां मौजूद एक वरिष्ठ अमेरिकी पत्रकार अहमद फथी ने भुट्टो की तथ्यों के साथ बोलती बंद कर दी। उधर, इन सबके बीच कांग्रेस नेता शशि थरूर के नेतृत्व में भारत का एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल अपनी विदेश यात्रा के तहत एक बार फिर से अमेरिका पहुंच गया है।

उनका प्रवास संभवतः दो दिवसीय है। जिसमें प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी प्रशासन, कांग्रेस के सदस्यों, थिंक टैंक और मीडिया से बातचीत करेगा और उनके सामने आतंकवाद पर भारत की नई सोच के साथ सामने आई जीरो टॉलरेंस की नीति से जुड़े हुए देश के पक्ष को मजबूती के साथ रखेगा।

भारत में मुस्लिम अधिकारी ने की पीसी: फथी

दरअसल पीसी में पाक के पूर्व विदेश मंत्री ने भारत पर आरोप लगाते हुए कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत में मुसलमानों के हालात ठीक नहीं हैं। उन्हें हमले के बाद से वहां (भारत) पर आतंकी के रूप में देखा जा रहा है। जिससे लगता है कि आतंकी हमले का इस्तेमाल भारतीय मुसलमानों को बदनाम करने के लिए एक राजनीतिक षड्यंत्र के रूप में किया जा रहा है। बिलावल ने कहा कि भारत शांति के मार्ग पर नहीं चल रहा है। बल्कि वहां के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का हमशक्ल (कॉपी) बनने की कोशिश कर रहे हैं। जिससे ये लगता है कि भारत, इजरायल से प्रेरणा ले रहा है। वैश्विक मंच पर कश्मीर के मुद्दे को उठाने को लेकर भी रोड़े अटकाए जा रहे हैं। इस पर वरिष्ठ अमेरिकी पत्रकार अहमद फथी ने कहा, सर, मैंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान में हुई सभी प्रेस कॉन्फ्रेंस को खुद व्यक्तिगत रूप से देखा है। भारत की प्रेस कॉन्फ्रेंस का नेतृत्व का एक मुस्लिम सैन्य अधिकारी ने किया था। इस पर बिलावल के होश उड़ गए और वो कुछ नहीं बोल पाए। सिर्फ सिर हिलाने लगे। लेकिन फथी यहीं नहीं रुके, उन्होंने ये भी कहा कि कर्नल कुरैशी ने न केवल नई दिल्ली में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस का नेतृत्व किया। बल्कि वह भारत के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरीं। अमेरिकी पत्रकार कर्नल सोफिया कुरैशी के संदर्भ में ये टिप्पणी कर रहे थे। जिन्होंने 7 मई को भारत की सैन्य कार्रवाई और उसके बाद नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित किया था। बताते चलें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने दो महिला अधिकारियों को पीसी के लिए चुना था।

पाक रक्षा मंत्री भी करा चुके अंतरराष्ट्रीय बेइज्जती

ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक मंचों पर अपनी बेइज्जती कराने वाले बिलावल भुट्टो पाकिस्तान के पहले राजनेता नहीं हैं। उनसे पहले ये कारनामा पाकिस्तान के मौजूदा रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ कर चुके हैं। भारत के सैन्य अभियान के तुरंत बाद अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन को साक्षात्कार देते वक्त जब न्यूज एंकर बेकी एंडरसन ने आसिफ से पूछा कि आपके पास ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की गई कार्रवाई में भारत के लड़ाकू विमानों को मार गिराने का क्या प्रमाण है? तो जवाब में पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने कहा कि सब कुछ हमारे नहीं, भारतीय सोशल मीडिया पर मौजूद है। इन विमानों का मलबा कश्मीर में गिरा है। भारतीय मीडिया में यह जानकारी दी जा रही है। इस पर नाराजगी के साथ एंकर ने कहा कि हमने आपको सोशल मीडिया कंटेंट पर बातचीत करने के लिए नहीं बुलाया है।

चीन ने भारत का पानी रोका तो विरोध तो भारत को सिंधु नदी का पानी पाकिस्तान के लिए क्यों रोकना चाहिए? एफ-35 अमेरिका से क्यों लेने चाहिए?

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेडा ने मोदी सरकार की विदेशी नीति को कहा पूरी तरह फेल

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता पवन खेडा ने पत्रकारों से बातचीत में मोदी सरकार पर एक के बाद एक कई कटाक्ष किये। उन्होंने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बार-बार दावे - 21 दिनों में 11 - कि अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम के लिए हस्तक्षेप किया, यह दर्शाता है कि कैसे मोदी सरकार ने भारत के हितों को समर्पित किया। उन्होंने बताया कि 23 मई, 2025 को, संयुक्त राज्य अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड डब्ल्यू. लुटनिक ने संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में एक हलफनामा दायर किया, जिसमें दावा किया गया कि भारत पाकिस्तान के बीच युद्धविराम केवल राष्ट्रपति ट्रम्प के हस्तक्षेप के बाद ही हुआ और दोनों देशों को पूर्ण पैमाने पर युद्ध को टालने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार करने की पेशकश की। उन्होंने स्टील पर टैरिफ से लेकर टेस्ला द्वारा 'मेक इन इंडिया' में शामिल न होने तक, एलन मस्क को लुभाने के बावजूद, स्टारलिंक को प्राप्त करने से, जो राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा है, पहले व्यापार सौदे पर बातचीत करने में सक्षम नहीं होने से, और ट्रम्प के आश्वासन के बावजूद, अमेरिका में कई उच्च-स्तरीय मंत्रिस्तरीय यात्राओं के बावजूद, चीन को पहले मिल गया। हम विदेश नीति ऐतिहासिक रूप से फेल हो रहे हैं।

रूस ने साथ छोड़ा

रूस के साथ भारत की मित्रता की याद दिलाते हुए पवन खेडा ने कहा कि दशकों से हमारा पुराना मित्र, रूस अब पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति करने लगा है। कुवैत ने लंबे समय के बाद पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा फिर से शुरू कर दिया है और पाकिस्तान के साथ श्रम समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप दे रहा है। पाकिस्तान- वैश्विक आतंक का कारखाना अब बहिष्कृत नहीं रहा। मालदीव और नेपाल जैसे पड़ोसी राष्ट्रों के साथ भी अब भारत के रिश्ते सामान्य नहीं रहे।

मस्क ने जिसे 'जंक' कहा उसे क्यों खरीदा

पवन खेडा ने बताया कि इस साल फरवरी में हमने देखा कि कैसे पीएम मोदी के प्रिय 'नमस्ते ट्रंप' ने पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के रखरखाव के लिए 357 मिलियन डॉलर देने का फैसला किया। एक तरफ अमेरिका पाकिस्तान के स्वामित्व वाले एफ-16 के रखरखाव के लिए पैसे दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ ट्रंप ने भारत को एफ-35 बेच कर करारा झटका दिया है। सामरिक विशेषज्ञों का कहना है कि एफ-16, एफ-35 की तुलना में हवाई लड़ाई में बेहतर हैं। यहां तक कि एलन मस्क ने भी उन्हें 'जंक' कहा था। कांग्रेस प्रवक्ता ने हैरानी जताते हुए कहा कि 6 साल में पहली बार भारत को जी-7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित नहीं किया गया है। जब शिखर सम्मेलन की मेजबानी कनाडा कर रहा है। कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि इस सरकार की पूरी विदेश नीति भारत के सामरिक और आर्थिक हितों के बजाय एक व्यक्ति पर केंद्रित है।

चीन ने पानी रोका तो हंगामा पाकिस्तान का पानी रोका तो ठीक?

चीन के वरिष्ठ नीति सलाहकार के भारत को ब्रह्मपुत्र का पानी रोकने की धमकी पर प्रतिक्रिया देते हुए पवन खेडा ने कहा, दूसरों के साथ वैसा न करें जैसा आप अपने साथ नहीं चाहते। चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध-वाटर बम भी बना रहा है, जिससे हमारी जल और पर्यावरण सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। पिछले दो महीनों से चीन ने भारत को दुर्लभ मृदा सामग्री का आयात बंद कर दिया है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। चीन ने भारत के खिलाफ अपने हथियार मुहैया कराकर ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की मदद की। अरुणाचल प्रदेश में जगहों के नाम बदलने में चीन आदतन अपराधी रहा है। इसने 21 अप्रैल, 2017 को 6 जगहों का नाम बदला, 30 दिसंबर, 2021 को 15 जगहों का नाम बदला, अगस्त 2023 में 11 जगहों का नाम बदला, अप्रैल 2024 में 30 जगहों का नाम बदला और मई 2025 में 27 जगहों का नाम बदला। जबकि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। 19 जून, 2020 को पीएम मोदी ने चीन को पाक दामन साफ करार दिया था। गलवान में हमारे 20 बहादुरों का सर्वोच्च बलिदान। इसने हमारी रणनीतिक सीमाओं पर चीन की विस्तारवादी प्रकृति को बढ़ावा दिया है। भले ही विदेश मंत्री का दावा है कि लद्दाख सीमा पर विघटन हुआ है, लेकिन क्या यह सच नहीं है कि देपसांग, डेमचोक, हॉट स्प्रिंग्स और गोगरा में कुछ पेट्रोलिंग प्वाइंट्स अभी भी चीन के कब्जे में हैं? रिपोर्टों और उपग्रह चित्रों के अनुसार, चीन बांग्लादेश में सिलीगुड़ी से सिर्फ 200 किलोमीटर दूर लालमोनिरहाट में एक सैन्य हवाई अड्डा बना रहा है। लेकिन मोदी सरकार ने लगभग चुप रहना ही पसंद किया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर किया गीत गायन का आयोजन

■ प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए करीब साठ गायक कलाकारों ने दी देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति

■ 12 घंटे तक लगातार चले कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को जन-जन तक पहुंचाया

मनावर। मनावर पूरा वातावरण सिंदूरी रंग में रंग चुका था। सुमधुर तराने से संपूर्ण वातावरण देश भक्ति के रस में सराबोर हो गया था। उपस्थित संगीत के सुधी श्रोताओ के दिल में राष्ट्र वंदना की भावना हिलोरे मार रही थी। पंडाल में चहुंओर से भारत माता की जय, वंदे मातरम के जयकारे गूंज रहे थे। अवसर था सेना के शौर्य और पराक्रम को वंदन करने एवं ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर स्वरागिनी गायन ग्रुप द्वारा आयोजित एक शाम ऑपरेशन सिंदूर के नाम गीत गायन कार्यक्रम का। लगातार 12 घंटे तक चलने वाले उक्त कार्यक्रम में प्रदेश के ख्यातनाम गायको ने भाग लिया और अपने गीतों के माध्यम से विजय उत्सव मना कर खुशियां साझा की। कार्यक्रम का उद्देश्य ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धि और सेना के पराक्रम को जन जन तक पहुंचाना था। कार्यक्रम मुख्य अतिथि, प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय महासचिव सैयद रिजवान अली, कवि राम शर्मा परिंदा, माधुरी जैन, कुसुम पाटीदार, रिंकू जाजमे, ललिता, वर्मा, योगिता उपाध्याय, पिंकी गुप्ता बड़वानी, स्मिता अत्रे बड़वानी, स्वरागिनी गायन ग्रुप के संरक्षक विश्वदीप मिश्रा, अध्यक्ष संदीप जाजमे, किशोर बागेश्वर, राजू देवड़ा, मुकेश बागेश्वर थे। अतिथियों का स्वागत आयोजन

समिति के कैलाश मंडलोई, संतोष बागेश्वर, कालूराम कुड़िया ,पंडित राकेश पुरोहित, लोकेश चौहान, नितेंद्र मंडवाल, प्रीतेश राठौर, यशस्वी जाजमे आदि ने किया। इस अवसर पर राम शर्मा परिंदा ने ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी रचना प्रस्तुत की। आदिल खान बड़वानी ने शानदार गीत की प्रस्तुति दी। अतिथि परिचय देते हुए संदीप जाजमे ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए इस नए भारत की शक्ति का प्रतीक बताया। स्वागत भाषण देते हुए विश्वदीप मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि सिंदूर केवल सौंदर्य ही नहीं वरन भारत की शक्ति, देशभक्ति व सेना की वीरता का पर्याय बन चुका है। भारत की नारी अब शक्ति का प्रतीक बन गई है। किशोर बागेश्वर ने पाकिस्तान की भारत पर इस विजय पर सबको बधाई दी। कार्यक्रम में बड़वानी, सेंधवा, राजपुर, धार,जुलवानिया, अंजड़, पलसूद, दवाना, ठीकरी, सुसारी, बोरलाय, कलवानी सहित मध्य प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्र से आए करीब साठ गायक कलाकारों ने देशभक्ति के गीत और भजनों की 12 घंटे तक लगातार एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर इतिहास रच दिया। सभी गायक कलाकारों को स्वरागिनी गायन ग्रुप की ओर से अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पत्रकार इकबाल मंसूरी का जन्म दिन भी मनवाया स्वागत सम्मान किया,कार्यक्रम का संचालन विश्वदीप मिश्रा, नितेंद्र मंडवाल संदीप जाजमे किशोर बागेश्वर और स्मिता अत्रे ने किया। आभार कैलाश मंडलोई ने माना।

मिलने वाली राशि आतंकवाद के वित्तपोषण में उपयोग से भारत चिंतित

भारत ने एडीबी से पाकिस्तान को मिलने वाली वित्तीय सहायता पर कड़ा विरोध जताया

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत ने बहुपक्षीय संस्थानों से पाकिस्तान को मिलने वाली राशि आतंकवाद के वित्तपोषण और रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल किए जाने को लेकर चिंता जताते हुए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से पड़ोसी देश को दी जाने वाली किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता पर कड़ा विरोध जताया है।

सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एडीबी ने हाल ही में पाकिस्तान के लिए 80 करोड़ डॉलर के आर्थिक पैकेज को मंजूरी दी है। यह राशि पाकिस्तान की राजकोषीय स्थिति को मजबूत करने और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में सुधार के लिए दी जा रही है।

सलाहकार मंत्री ने भी दी गारंटी

वित्त मंत्री के सलाहकार खुर्रम शहजाद ने एक बयान में इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि कुल राशि में 30 करोड़ डॉलर का नीति-आधारित ऋण और 50 करोड़ डॉलर की कार्यक्रम-आधारित गारंटी शामिल है।

सीमापार आतंकवाद को बढावा

सूत्र ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान की मौजूदा शासन प्रणाली को लेकर भी कड़ी आपत्ति जताई है, जो क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए लगातार गंभीर खतरा बनी हुई है। सीमापार आतंकवाद को बढ़ावा देने की इसकी नीति ने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति को खराब कर दिया है और पाकिस्तान के लिए व्यापक आर्थिक जोखिम को काफी हद तक बढ़ा दिया है, जिससे एडीबी के लिए भी उद्यम जोखिम बढ़ गया है।

एफएटीएफ की सिफारिशें लागू करने में ढीला रवैया

भारत ने वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की सिफारिशों को लागू करने में पाकिस्तान के ढीले रुख को भी सामने रखा है। सूत्र ने कहा कि आतंकवाद के वित्तपोषण की जांच और संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी सरगनाओं के अभियोजन और आपराधिक संपत्तियों को जब्त करने के मामले में प्रगति असंतोषजनक है।

- एडीबी ने पाक के लिए 80 करोड़ डॉलर का आर्थिक पैकेज मंजूर किया
- राशि पाक को वित्तीय प्रबंधन में सुधार के लिए दी जा रही
- पाकिस्तान के कर संग्रह में 13 फीसदी की गिरावट दर्ज

पाक के रक्षा खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि

दूसरी तरफ, इसी अवधि में इसके रक्षा खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सूत्र ने कहा, "ये आंकड़े बताते हैं कि पाकिस्तान को विशेष रूप से जो राशि नीति-आधारित कर्ज के रूप में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से मिलती है, उसका उपयोग विकास कार्यों की जगह रक्षा व्यय बढ़ाने में किया जाता है।"

कार्यान्वयन पर एडीबी नजर रखेगा : भारत ने उम्मीद जताई है कि एडीबी वांछित नतीजे हासिल करने के लिए नीतियों के कार्यान्वयन पर करीबी नजर रखेगा। 2017-18 में 13 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2022-23 में 9.2 प्रतिशत रह गया है ।

आर्थिक मामलों का ट्रैक रिकॉर्ड दर्ज

पाकिस्तान के आर्थिक मामलों में सेना का दखल बढ़ा है। दूसरी तरफ उसके विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का 'ट्रैक रिकॉर्ड' अच्छा नहीं है। इससे नीतिगत चूक और सुधारों की स्थिति बिगड़ने का जोखिम है। पूर्व में भी ऐसा देखने को मिला है। यहां तक कि नागरिक सरकार के सत्ता में होने पर भी सेना घरेलू राजनीति में एक बड़ी भूमिका निभाती है और अर्थव्यवस्था में अपनी पैठ बढ़ाती है।

पाक में नीतिगत सुधार एडीबी द्वारा संचालित

इसके अलावा, पिछले कई वर्षों में पाकिस्तान में नीतिगत सुधार मुख्य रूप से एडीबी सहित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से बाहरी समर्थन द्वारा संचालित किए गए हैं। बाहरी समर्थन पर बहुत अधिक निर्भरता स्थानीय स्वामित्व को कमजोर करती है और निर्भरता का एक चक्र बनाती है।

चांदी में 1900 रुपए का उछाल, सोना मजबूत

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में मजबूती के संकेतों के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 260 रुपये बढ़कर 99,260 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी है। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 100 रुपये बढ़कर 98,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, ''व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं के साथ-साथ आर्थिक चिंताओं और भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण बुधवार को सोने में थोड़ा सकारात्मक रुख दिखा, जिससे सुरक्षित निवेश के रूप में इस बहुमूल्य धातु की अपील को समर्थन मिला।''बुधवार को चांदी की कीमत भी 1,900 रुपये के उछाल के साथ 1,02,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। इससे पूर्व के कारोबारी सत्र में चांदी 1,00,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक मोर्चे पर, हाजिर सोना 9.43 डॉलर या 0.28 प्रतिशत बढ़कर 3,362.6 डॉलर प्रति औंस हो गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पुदीना स्वाद ही नहीं, सेहत के लिए भी है फायदेमंद

पुदीना खाने में स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए कॉफी फायदेमंद होता है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं जो कई हेल्थ संबधी समस्याओं को ठीक करने में मदद करते हैं। गर्मियों के मौसम में हर घर में इसका इस्तेमाल खट्टी चीजें और चाय बनाने में किया जाता है। खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ यह शरीर में दवाई की तरह काम करता है। आज हम इससे होने वाले फायदों के बारे में बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप कई समस्याओं से छुटकारा पर सकते हैं।

1. पेट दर्द से पाए राहत

पुदीना पेट की समस्याओं के लिए काफी फायदेमंद होता है। जब कभी किसी का पेट अच्छी तरह से साफ न हुआ हो और पेट में दर्द हो रहा हो तो पुदीना एक दवाई की तरह काम करता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए पुदीने को पीस कर पानी में मिला लें और फिर छान

कर पानी को पीएं। इससे आपकी पाचन शक्ति भी बढ़ेगी और पेट दर्द से भी राहत मिलेगी।

2. गर्मी से दिलाए निजात

पुदीने का इस्तेमाल खास कर गर्मियों में गन्ने के रस में, आम का पन्ना बनाने में, भोजन में किया जाता है क्योंकि यह शरीर में गर्मी से राहत दिलाता है। इससे नमी बनी रहती है और यह घबराहट, उल्टी, हैजा जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है।

3. मुंह की बदबू करें दूर

कई बार ब्रश करने के बाद भी मुंह में बदबू आती रहती है आप इसे हटाने के लिए पुदीने के पत्तियों को चबा सकते हैं। इसके अलावा आप पुदीने को सूखा कर इसका चूर्ण बना कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप इससे मंजन की तरह दांत साफ कर सकते हैं। ऐसा करने से आपके मसूड़े भी मजबूत होगें।

4. हड्डियों को बनाएं मजबूत

पुदीना हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। इसमें मैग्निशियम तत्व पाया जाता है जो हड्डियों के लिए जरूरी होता है।

5. कोलेस्ट्रोल लेवल ठीक रखें

पुदीने में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता हैं जो बढ़े हुए कोलेस्ट्रोल लेवल को ठीक करने में मदद करता है।

6. मोटापा घटाने में करें मदद

जो लोग मोटापे से परेशान है वह वजन घटाने के लिए पुदीने का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें ऐसे औषधीय गुण पाए जाते हैं जो शरीर में जमा वसा को कम करते हैं और मोटापे से छुटकारा दिलाते हैं।

7. घाव से दिलाएं राहत

पुदीने में एंटी- बैक्टिरियल पाया जाता है जो घाव या चोट को ठीक करने में मदद करता है। जब आपके कभी घाव या चोट लग गई है तो आप पुदीने की पत्तियां मसल कर इसका पेस्ट बना कर घाव वाली जगह पर लगाएं।

8. उल्टी या हिचकी रोकें

अगर आपको कभी उल्टियां लग जाएं तो पुदीने का रस 1-1 चम्मच दिन में दो बार पीएं। हिचकी रोकने के लिए इसकी पत्तियां बहुत असरदार उपाय है।

कहीं आप तो नहीं कर रहें बालों की कंडीशनिंग करते समय यह गलतियां

बालों को लेकर लड़कियां हर समय परेशान रहती हैं कि कहीं उनके झड़ते बाल उनकी पर्सनेलिटी को खराब कर न कर दें। इसी लिए वे अच्छी से अच्छी क्वालिटी का शैंपू और कंडीशनर इस्तेमाल करती हैं। बहुत से लोगों का मानना है कि कंडीशनर बालों को मुलायम, शाइनी बनाने में मदद करता है लेकिन बहुत से लोग इसे लगाने के सही तरीके के बारे में जानते भी नहीं हैं। कंडीशनिंग करते समय जाने-अनजाने की गई गलतियां बालों को खराब भी कर सकती हैं। आइए जानें कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये कंडीशनर को लेकर ये गलतिया।

बालों की जड़ों से कंडीशनिंग करना

कुछ लोग शैंपू करने के बाद बालों की जड़ों से ही कंडीशनिंग भी करने लगते हैं। जिससे कई बार बाल झड़ने लगते हैं। इस बात को जान लें कि जड़ों को कंडीशनर करने की कोई जरूरत नहीं होती। सिर्फ बालों पर ही इसे लगाएं।

शैंपू के बाद कंडीशनर न करना

कंडीशनर बालों को मुलायम बनाने के साथ-साथ बाहरी धूल-मिट्टी से भी बचाव रखता है। बालों पर शैंपू कर रहे हैं तो कंडीशनर न लगाने के गलती न करें। इससे बालों को नुकसान पहुंच सकता है।

जरूरत से ज्यादा न करें इस्तेमाल

हर चीज का इस्तेमाल सही मात्रा में करना बहुत जरूरी है। अगर ज्यादा मात्रा में कंडीशनर लगाया जाए तो इससे बाल शाइनी दिखने की बजाए तैलीय लगने लगते हैं और आप भी फ्रैश फील नहीं करते।

कंडीशनर लगाने में जल्दी करना

कंडीशनर लगाने में जल्दबाजी न करें। सही रिजल्ट पाने के लिए इसे दिए गए निर्देश अनुसार बालों पर लगा रहने दें।

दांत की सर्जरी के बाद न करें इन 2 चीजों का सेवन, पड़ सकता है भारी

कोई भी व्यक्ति जब डेंटल सर्जरी से फिर से ठीक हो रहा होता है, तब अच्छा आहार और पोषण का अत्यंत महत्व होता है। अगर व्यक्ती को पता है, की उसे क्या खाना चाहिए और वह उचित आहार लेता हैं, तो यह जल्दी ठीक होने की गारंटी देता है और अत्यधिक शुष्क गर्तिका और खून के बहने की संभावना को कम कर देता है। मौखिक सर्जरी के उपरांत का समय एक बहुत ही महत्वपूर्ण समय होता है और दंत विशेषज्ञों के पर्यवेक्षण के बिना प्रबंधित नही किया जाना चाहिए। यदि मरीज को कुछ एंटीबायोटिक दवाओं का निर्धारण किया गया है, तो उसे अपने आहार से डेयरी उत्पादों को बाहर करना पड़ सकता है। वास्तव में, सर्जरी के बाद कुछ दिनों के लिए रोगी को चाय या पानी या नरम खाद्य पदार्थों जैसे पेय पदार्थों को लेना चाहिए।

ये बातें पता होनी चाहिए

डेंटल सर्जरी की अवधि में, एक व्यक्ति को पता होना चाहिए कि उसे क्या खाना चाहिए और अपने आहार में फाइबर और प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा शामिल करनी चाहिए। तरल पदार्थ भी आहार का एक प्रमुख हिस्सा होना चाहिए। अच्छे तरल आहार पदार्थों में पौष्टिक फल और सब्जियों के रस, मिल्क शेक, ऊर्जा पेय, त्वरित नाश्ता पेय और फल स्मूदी शामिल हैं। मौखिक सर्जरी के तुरंत बाद, ओटमिल, नरम अंडे, मुलायम फल, अच्छी तरह से पका चावल और दलिया, जैसे पदार्थों को रोगी के आहार में शामिल किया जाना चाहिए। काबोर्नेटेड या वातित पेय, गर्म तरल पदार्थ और मसालेदार भोजन लेने से बचें।

इन खाद्य पदार्थों से परहेज

रोगी उन खाद्य पदार्थों को टालना चाहिए जिससे सर्जरी स्थान पर जलन नहीं हो। कुछ भी जिसे चूसने की जरूरत होती है, उससे सख्ती से बचना चाहिए, क्योंकि इससे मुँह में खून के थक्का बन सकते हैं, जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता हैं। हालांकि मांस और डेयरी उत्पाद प्रोटीन और ऊर्जा का एक बहुत अच्छा स्रोत होते हैं, उनका परहेज किया जाना चाहिए। इसके बजाय, आप मैश किए हुए आलू, नरम पनीर और टोफू खा

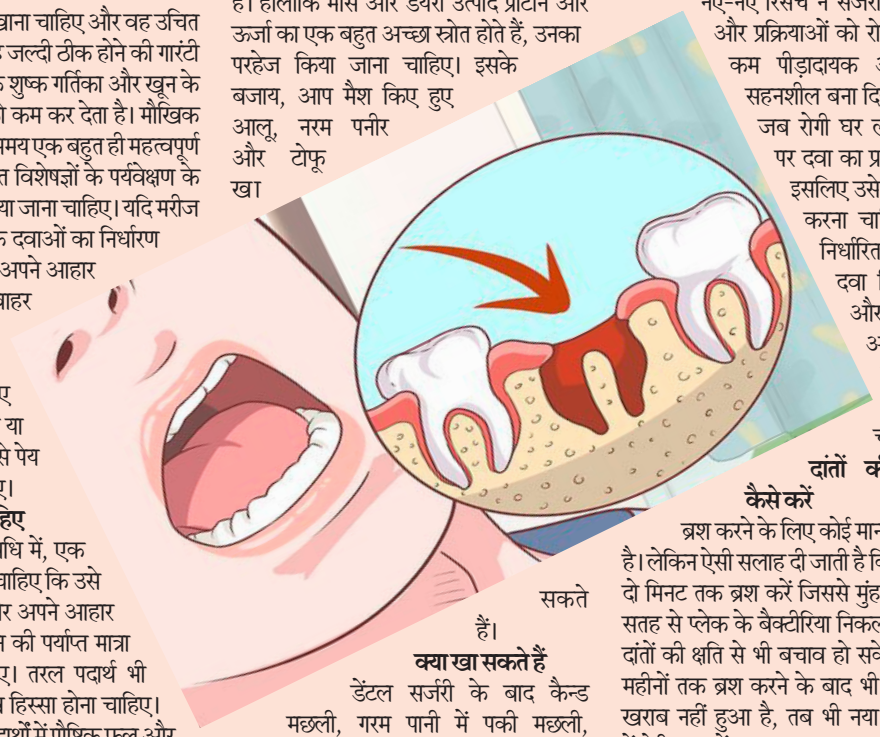

सकते हैं।

क्या खा सकते हैं

डेंटल सर्जरी के बाद कैन्ड मछली, गरम पानी में पकी मछली, ह्युम्मस, मांस लोफ्स, मसला हुआ चितकबरा सेम और कटा हुआ मांस जैसे खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल कर सकते है क्योंकि उनको ज्यादा चबाने की आवश्यकता नहीं होती है। मूंगफली का मक्खन, बीज, और अखरोट के तेल की भी सिफारिश की जाती हैं। पुडिंग, दही, कस्टर्ड, वनस्पति शोरबा, आइसक्रीम, ऐपल्सॉस, क्रीमी सूप, और मैश किए हुए आलू सर्जरी स्थान के लिए बेहतर होते हैं।

डेंटल सर्जरी

डेंटल सर्जरी के बाद क्या खाना चाहिए यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है, जो हर रोगी को संबोधित किया जाना चाहिए। चिकित्सा और फामेर्सी के क्षेत्र में नए-नए रिसर्च ने सर्जरी की पद्धतियां और प्रक्रियाओं को रोगियों के लिए कम पीड़ादायक और अधिक सहनशील बना दिया हैं। क्योंकि जब रोगी घर लौटता है उस पर दवा का प्रभाव होता है, इसलिए उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह निर्धारित दर्द निवारक दवा नियमित लेना और डॉक्टर के अनुमोदन के बिना कुछ नहीं खाना चाहिए।

दांतों की देखभाल कैसे करें

ब्रश करने के लिए कोई मानक समय नहीं है। लेकिन ऐसी सलाह दी जाती है कि कम से कम दो मिनट तक ब्रश करें जिससे मुंह के अंदर की सतह से प्लेक के बैक्टीरिया निकल जायें। इससे दांतों की क्षति से भी बचाव हो सकेगा। अगर 6 महीनों तक ब्रश करने के बाद भी आपका ब्रश खराब नहीं हुआ है, तब भी नया ब्रश खरीदने में देरी ना करें। टूथब्रश अलग-अलग आकार, लम्बाई और गुणवत्ता के आते हैं। लेकिन डेंटिस्ट्स का ऐसा मानना है कि सही टूथब्रश की लम्बाई 25.5 से 31.9 मिलीमीटर होनी चाहिए और चौडाई 7.8 से 9.5 मिलीमीटर होनी चाहिए। अगर आपके दांतों पर काले-भूरे धब्बे नजर रहे हैं, खाना दांतों में फंसने लगा है, ठंडा-गरम लग रहा है या मसूड़ों से पस आ रहा है, तो डेंटिस्ट.से मिलने में देरी ना करें। निश्चित समयांतराल पर दंत चिकित्सक से मिलें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अनुष्का शर्मा ने जताया गहरा दुख

आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ऐतिहासिक जीत के बाद जहां एक तरफ पूरे बेंगलुरु में खुशी की लहर दौड़ रही थी, वहीं दूसरी ओर यह खुशी कुछ ही पलों में मातम में बदल गई। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर जश्न के दौरान मची भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई और दर्जनों घायल हो गए। इस दर्दनाक हादसे ने टीम के खिलाड़ियों, उनके परिवारों और फैंस को गहरा झटका दिया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस और विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा ने इस दुखद घटना पर गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होंने आरसीबी की ऑफिशियल स्टेटमेंट को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए टूटे हुए दिल की इमोजी के साथ अपनी संवेदनाएं जताईं। पोस्ट में लिखा था कि मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए सामने आई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से हम बेहद दुखी हैं। टीम के स्वागत में उमड़ी भीड़ के कारण यह हादसा हुआ। सभी की सुरक्षा हमारे लिए सबसे अहम है। आरसीबी ने अपने बयान में आगे कहा कि जैसे ही उन्हें इस दुर्घटना की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत अपने कार्यक्रम में बदलाव किया और स्थानीय प्रशासन की गाइडलाइंस का पालन किया। टीम ने जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई और सभी फैंस से सुरक्षित रहने की अपील की। अनुष्का शर्मा ने एक दिन पहले अपनी इंस्टा स्टोरी में आरसीबी की जीत की खुशी साझा की थी, जिसमें वह विराट कोहली के साथ विजय परेड का हिस्सा बनती नजर आई थीं।

हिना खान ने किस रीति-रिवाज से रचाई रॉकी जायसवाल संग शादी

टीवी की दिग्गज एक्ट्रेस हिना खान और फिल्ममेकर रॉकी जायसवाल आखिरकार 13 साल के लंबे रिलेशनशिप के बाद शादी के बंधन में बंध गए हैं। यह शादी पारंपरिक तरीके से नहीं बल्कि कोर्ट मैरिज के रूप में हुई, जिसकी पुष्टि कपल की वायरल वेडिंग तस्वीरों से हुई है। हिना खान मुस्लिम धर्म से ताल्लुक रखती हैं, तो वहीं रॉकी जायसवाल हिंदू समुदाय से आते हैं। दोनों ने किसी एक धर्म के रीति-रिवाज को नहीं अपनाया। कपल ने न तो मुस्लिम तरीके से निकाह किया और न ही हिंदू परंपरा अनुसार सात फेरे लिए। इस इंटरफेथ कपल ने रजिस्ट्रार मैरिज का रास्ता चुना और बेहद निजी और सादे समारोह में अपने रिश्ते को नाम दिया। हिना खान इस समय ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रही हैं। ऐसे समय में शादी करना न सिर्फ साहसी फैसला था, बल्कि यह भी दिखाता है कि दोनों के बीच प्यार और समर्थन कितना गहरा है। हिना ने शादी के इस मौके पर मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की ओपल ग्रीन साड़ी पहनकर सबका दिल जीत लिया। इसके साथ उन्होंने लाइट पिंक ब्लाउज और सिर पर पिंक दुपट्टा ओढ़ा था, जिसमें वह बेहद खूबसूरत और ग्रेसफुल नजर आईं। कपल ने शादी की फोटो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की और बेहद इमोशनल कैप्शन के जरिए अपने प्यार की गहराई को दर्शाया। हिना ने लिखा कि दो अलग-अलग दुनियाओं से, हमने प्यार की एक दुनिया बनाई, आज हमारा मिलन प्यार और कानून में सील हो गया है। इस शादी ने एक मिसाल पेश की है कि कैसे प्यार धर्म और परंपराओं से ऊपर उठकर दो आत्माओं को जोड़ सकता है। सोशल मीडिया पर फैंस और सेलेब्स से बधाइयों की बाढ़ आ गई है।